Volume-4, Issue-8, August-2015 • ISSN No 2277 - 8160

Research Paper Journalism

ड्रोन जर्नलिज्म : संभावनाएं और चुनौतियां

Dr. Subodh Kumar सहआचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा, (राज.)

ABSTRACT

सामाजिक और राजनैतिक ताने-बाने को आइना दिखाती पत्रकारिता तमाम बदलावों से गुजर रही है| समय के साथ ही साथ पत्रकारिता के तरीकों और माध्यमों में बहुत से नवाचार हुए हैं| अखबारी दुनिया हो या अन्य माध्यम सभी आधुनिक तकनीक से दिन प्रति दिन लबरेज होते जा रहे हैं| सूचना संचार प्रौद्योगिकी ने न्यू मीडिया को आधार प्रदान कर दिया है| न्यू मीडिया की पहुंच नित बढ़ती जा रही है साथ ही साथ ही रोज नए और तेज गति वाले संचार उपकरणों को भी जन्म दे रही है| डिजिटलाइजेशन ने पत्रकारिता के मायने ही बदल दिए हैं आज हर एक सूचना इन्टरनेट पर उपलब्ध हो जाती है| न्यू मीडिया में प्रयोगों के दौर ने सोशल मीडिया जैसे तमाम प्लेटफॉर्म बनाए हैं जिससे संचार का दायर बढ़ा है और अभिव्यक्ति को स्वतंत्र मंच मिल सका है| ऐसे ही प्रयोगों ने ड्रोन जर्नलिज्म जैसे शब्द भी इजाद किए हैं| यह पत्रकारिता की वह पीढ़ी है जिसने मानव रहित बीट रिपोर्टिंग के कारनामे को करने का जिम्मा संभालने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं| एक तरफ जहां न्यूज रूम के अन्दर तकनीक हावी है तो दूसरी ओर फील्ड में भी तकनीक की घुसपैठ महसूस की जाने लगी है| प्रस्तुत शोध पत्र में वर्तमान में और आने वाले समय में ड्रोन जर्नलिज्म की संभावनाओं और चुनौतियों का अध्ययन किया गया है| विमर्श के उपरांत निकले निष्कर्ष ड्रोन जर्नलिज्म के लिए संभावनाओं और अवसरों के सकारात्मक नजरिए के साथ ही साथ नीति और प्रशिक्षण से सम्बंधित चुनौतियों को इंगित करते हैं|

KEYWORDS : ड्रोन जर्नलिज्म, सूचना प्रौद्योगिकी, संभावनाएं, चुनौतियां आदि|

भूमिका

पत्रकारिता का इतिहास नवाचारों का हमेसा साक्षी रहा है| समाचार पत्रों के माध्यम से शुरू हुआ जनमाध्यमों का सिलसिला कुछ ऐसे चला कि नित नए माध्यम इजाद होते रहे| समाचार पत्र के बाद रेडियो, सिनेमा, टेलीविज़न और उसके उपरांत साइबर मीडिया से विस्तार का यह सिलसिला लगातार जारी है जिसने पत्रकारिता के आयाम ही बदल दिए हैं| न्यू मीडिया की संरचना ने सोशल मीडिया जैसे प्लेटफॉर्म को विकसित किया है जिसने पत्रकारिता में सिटिजन जर्नलिज्म को आधार प्रदान कर आम व्यक्ति को पत्रकार बना दिया है| ऐसे ही विकास के दौर ने साइबर जगत में ड्रोन विमान जैसे आधुनिक उपकरण को जन्म दे दिया है| ड्रोन जर्नलिज्म से आशय ऐसे जर्नलिज्म से है जिसमें रिपोर्टिंग के लिए व्यक्ति के स्थाप पर ड्रोन विमान का प्रयोग किया जाए| यह प्रणाली साइबर मीडिया का ही एक नया उपखंड है जिसमें रिमोट कंट्रोल विमान के प्रयोग से न्यूज रिपोर्टिंग के कार्य को अंजाम दिया जाता है| ऐसे में जब कोई घटना घटती है तो उस स्थान पर कैमरे और ऑडियो रिकॉर्डर युक्त ड्रोन विमान को भेज कर तथ्यों का संकलन किया जाता है| यह प्रणाली युद्ध के मैदान, आग जनित क्षेत्र और विशेष परिस्थियों वाले क्षेत्र जैसे जंगल आदि में अत्याधिक कारगर साबित हो सकती है| ड्रोन जर्नलिज्म के विकास का सिलसिला धीरे-धीरे पहचान बना रहा है| इस तरह के प्रयोग मीडिया के क्षेत्र में आम हो चले हैं किस भी तकनीकी नवाचार के लिए मानो मीडिया हाउसेस तैयार ही बैठे रहते हैं बात चाहे समाचार पत्रों के ई-संस्करणों की हो या फिर न्यूज वेबसाइट्स की हर एक क्षेत्र में नित नए कार्यों को प्रोत्साहन मिल रहा है| विगत के कुछ वर्षों में मीडिया हाउसेस के न्यूज रूम में काफी बदलाव आए हैं| डिजिटलाइजेशन के चलते संचार सामग्री की गुणवत्ता और प्रस्तुतीकरण में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं| वर्तमान युग में मीडिया का मतलब सिर्फ और सिर्फ तकनीक हो गया है| ऐसे में ड्रोन जर्नलिज्म के जरिए बीट रिपोर्टिंग की संभावनाओं को तलाशना वक्त की जरूरत बनता जा रहा है|

ड्रोन

ड्रोन एक मानव रहित विमान है इन विमानों को रिमोट कंट्रोल के द्वारा संचालित और नियंत्रित किया जाता है| इन विमानों में किसी मानव चालक की उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होती है। इनकी यह विशेषता इन्हें विशेष परिस्थितियों में उपयोग करने के लिए विवस करती है| इन विमानों का प्रयोग सर्वप्रथम सैन्य अभियानों में शत्रु के क्षेत्र का जायजा लेने के लिए और साथ ही आवश्यकता पड़ने पर हमला करने के लिए किया गया था, वर्तमान में यह तकनीक काफी उपयोग में लाई जा रही है| सेना में तो इसका प्रयोग जोर-सोर से हो ही रहा है साथ ही साथ अन्य क्षेत्रों में भी यह तकनीक प्रयोग में लाई जा रही है| यदि बात पत्रकारिता के क्षेत्र की करें तो ड्रोन के प्रयोग का चलन धीरे-धीरे पांव पसार रहा है| ड्रोन जर्नलिज्म प्रणाली पर विश्व के कई विश्वविद्यालय शोध कार्य कर रहे हैं|

ड्रोन जर्नलिज्म-एक परिचय

ड्रोन जर्नलिज्म शब्द का उपयोग नवम्बर 2011 में नेब्रास्का-लिंकन विवि (University of Nebraska-Lincoln) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के आचार्य **मैट वैट** ने किया| उन्होंने रिपोर्टिंग में मानव रहित विमान के द्वारा तथ्य संकलन के तरीके पर कार्य किया और इस तरह की पत्रकारिता को ड्रोन जर्नलिज्म कह कर संबोधित किया| ड्रोन जर्नलिज्म में मानव रहित विमान में कैमरा और ऑडियो रिकॉर्डर इनबिल्ट करके घटना स्थल पर रिमोट कंट्रोल के माध्यम से भेज कर घटना के जरूरी विजुअल्स और ऑडियो का संकलन किया जाता है| पत्रकारिता के क्षेत्र में यह प्रणाली अभी कम प्रचलन में है किंतु विश्व के कई मीडिया हाउसेस इस प्रणाली का प्रयोग प्रायोगिक तौर पर शुरू कर चुके हैं| जैसे-जैसे सूचना संचार प्रौद्योगिकी अपना दायरा बढ़ा रही है वैसे ही पत्रकारिता के क्षेत्र में नए प्रयोगों का चलन बढ़ रहा है| ड्रोन जर्नलिज्म शब्द जितना नया है उतना ही रोचक भी है, कन्वर्जेन्स के दौर में जब पूरा मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो रहा है ऐसे में इस तरह की आधुनिक तकनीक के समावेश से पत्रकरिता की पहुंच में और अधिक बढ़ोत्तरी होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है| आज जो क्षेत्र सड़कों के आभाव के कारण मीडिया रिपोर्टिंग से वंचित हैं वे क्षेत्र इस तकनीक से मीडिया की पहुंच में आ सकेंगे| यह तकनीक पत्रकारिता में फ़ील्ड वर्क को बंद कमरे से करने के सपने को साकार करने की ओर एक सकारात्मक कदम के तौर पर नजर आती है|

ड्रोन जर्नलिज्म : संभावनाएं

पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रयोगों का दौर लगातार जारी है| सूचना संचार प्रौद्योगिकी से एक जरफ जहां नए नए सॉफ्टवेयर्स बन रहे हैं तो दूसरी ओर हार्डवेयर्स की भी नई खेप तैयार हो रही है| बदलाव की कहानी अब इस तरह की हो गई है कि 24 घंटे के अन्दर ही नई से नई तकनीक आउटडेटेड हो जा रही है| इस क्षेत्र में शोध का सिलसिला कुछ इस तरह का है कि ओपन सोर्सेज के जरिए तकनीक की पहुंच सस्ती और सुलभ होती जा रही है| पत्रकारिता में ऑनलाइन मीडिया ने पांव क्या पसारे हैं कि सारे माध्यमों की प्रायोजित सामग्री फीकी पड़ने लगी है| न्यूज वेबसाइट्स, पोर्टल्स, ब्लॉग्स और सोशल मीडिया साइट्स की भरमार है| वर्तमान में पूरा विश्व एक क्लिक पर सिमट कर रह गया है| पत्रकारिता में त्वरित प्रतिपुष्टि का बढ़ता चलन ड्रोन जर्नलिज्म जैसी अवधारणा में अनेक संभावनाओं को जन्म देता है| वे सम्भावनाएं कुछ इस तरह की हैं कि यदि किसी दूरदराज के क्षेत्र में कोई घटना घट जाती है और वहां व्यक्ति को पहुंचने में समय ज्यादा लगता हो तो ड्रोन को उस क्षेत्र में भेज कर कम समय में लोगों तक उस घटना की तस्वीरें पहुंचाई जा सकती हैं| इसी प्रकार से युद्ध के क्षेत्र जहां पर पत्रकार की जान को खतरा है वहां पर ड्रोन के माध्यम से रिपोर्टिंग के कार्य को अंजाम दिया जा सकता है| ऐसे ही बहुत सी परिस्थितियां हैं जब मानव की सशरीरी पहुंच का दायरा सिमित हो जाता हो तो ड्रोन के जरिए पत्रकारिता से लोगों तक दुर्लभ से दुर्लभ स्थानों की घटनाओं का लाइव प्रसारण संभव किया जा सकता है| हाल ही के कुछ वर्षों में कुछ ऐसी घटाएं हुई जहां इस तरह की तकनीक की जरूरत महसूस हुई| उदाहरण के तौर पर आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर दुर्घटना का रहस्य हो या मलेशिया के एक प्लेन का लापता हो जाना हो, ऐसे में ड्रोन जर्नलिज्म एक अच्छी और बेहतर तकनीक साबित हो सकती है| इसका प्रयोग खोजी पत्रकारिता में भी किया जा सकता है, साथ ही साथ प्रसीजन जर्नलिज्म में ड्रोन का इस्तेमाल एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में किया जा सकता है|

ड्रोन जर्नलिज्म : चुनौतियां

किसी भी कार्य को करने के लिए चुनौतियों से होकर गुजरना आदम काल से ही प्रत्येक क्रिया का हिस्सा रहा है| ड्रोन जर्नलिज्म जितनी सुलभ और रोचक तकनीक है उतनी ही चुनौतियों से भी भरी हुई है| वर्तमान परिदृश्य में आतंकवाद की घटनाएं अत्याधिक बढ़ गई हैं साथ ही ख़ुफ़िया एजेंसियां एक दूसरे देश की सूचनाएं पाने के लिए अनेक हथकंडे अपना रही हैं ऐसे में यदि कोई न्यूज चैनल ड्रोन का इस्तेमाल न्यूज के संकलन के लिए कर रहा है और यदि इसी बात का फायद उठाकर कोई ख़ुफ़िया एजेंसी या आतंकवादी संगठन ड्रोन को देश की सीमा में प्रवेश करा कर या देश के किसी भाग से क्षेत्र विशेष की तस्वीरें और विसुअल्स संकलित कर लेता है तो यह घटना उस देश की सुरक्षा में सेंध का कार्य करेगी| इस विषय पर यदि मीडिया हाउसेस सरकार की एविएशन नियमावली के तहत ड्रोन से पत्रकारिता के कार्य को करें तो शर्तें क्या होंगी यह भी एक बड़ी चुनौती है और यदि ड्रोन जर्नलिज्म के लिए अलग से नियमावली बने तो किस प्रकार से वह देश की सुरक्षा को समन्वयित कर पाएगी यह प्रश्न भी चुनौतीपूर्ण है| एक चुनौती ड्रोन जर्नलिज्म में प्रशिक्षण को लेकर के भी है, क्योंकि ड्रोन को ऑपरेट करने के लिए एक प्रशिक्षित व्यक्ति की आवश्यकता होती है जो उसे सही से नियंत्रित कर सके पत्रकारिता के क्षेत्र में ऐसे व्यक्ति अभी उपलब्ध नहीं हैं और साथ ही अभी कोई ऐसे सार्वजनिक संस्थान भी नहीं हैं जो आम जन को ड्रोन ऑपरेट करने का प्रशिक्षण देते हों| जब कोई घटना घटित होती है तो एक साथ सभी मीडिया हाउसेस उसे कवर करने के लिए दौड़ लगाते हैं ऐसे में यदि ड्रोन के जरिए इतने सारे मीडिया हाउसेस एप्रोच करेंगे तो ड्रोन्स के आपस में टकराव का खतरा भी एक महत्वपूर्ण चुनौती साबित हो सकता है|

निष्कर्ष

तकनीक कुछ ऐसी करवट ले रही है कि जहां एक तरफ घरों में काम करने के लिए रोबोट के प्रयोग का चलन बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर अन्य कार्यों के लिए अलग-अलग तरह की डिवाइसेस बाजार में आ रही हैं| पत्रकारिता की बात करें तो न्यूज रूम से लेकर रिपोर्टिंग तक का सारा कार्य तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है| अध्ययन में बात सामने आई है कि ड्रोन जर्नलिज्म जैसी प्रणाली धीरे-धीरे पांव पसार रही है| इस तरह की प्रणाली के विकास की अपार संभावनाएं नजर आ रही हैं| यह प्रणाली विपरीत परिस्थितियों में समाचार रिपोर्टिंग का हुनर रखती है किंतु इसके विकास के लिए आवश्यक नियमावली और प्रशिक्षण सम्बंधी कुछ चुनौतियां भी हैं| जिस तरह तकनीकी नवाचारों के जरिए आने वाले समय के लिए वर्चुअल न्यूज रूम की बात की जा रही है इसी संदर्भ में ड्रोन जर्नलिज्म भी वर्चुअल बीट रिपोर्टिंग की अवधारणा को साकार की ओर कदम बढ़ाता नजर आ रहा है|

REFERENCES

| **पुस्तकें** | 1. शर्मा, विजय (2011). आधुनिक पत्रकारिता प्रभाव एवं कार्य. जयपुर: इशिका पब्लिशिंग हाउस| | 2. चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2013). मीडिया समग्र (भाग-3) ज्ञान-क्रान्ति और साइबर संस्कृति. दिल्ली: स्वराज प्रकाशन| | 3. जोशी, शालनी, जोशी, शिवप्रशाद (2012). वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड| | 4. सिंह, सुरजीत (2012). मीडिया अचीवर्स. जयपुर: हार्सबैक पब्लिकेशन| | 5. कुमार, राकेश (2009). इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं साइबर संचार पत्रकारिता. नई दिल्ली: श्री नटराज प्रकाशन| | 6. डॉ. सोनी, सुधीर (2009). नवीन मीडिया प्रविधियां . जयपुर: बुक एनलेवा | 7. कुमार, सुरेश (2004). इंटरनेट पत्रकारिता. नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन| 8. Saxena, Ambrish (2012). Issue of communication development and society. Gera, Gagan (Eds.) Social Media Networking and concept of International Citizenship (P.P.163-167). New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 9. Mathur, K, Prasant (2012). Social Media and Networking Concept, trend and dimensions. New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 10. Gupta, Om & Jasra Ajay S. (2002). Information Technology in Journalism. New Delhi : Kanishka Publishers, Distributors. | **शोध पत्र** | 1. माथुर, श्याम.(Oct-Dec., 2011). ऑनलाइन आजादी का सवाल. कम्यूनिकेशन टुडे, 88-92. | 2. Gupta, Komal.(Oct-Dec., 2013). ICT Vision 2020: A Milestone. Communication Today, 44-53 | 3. Mathur, Anubhav.(Oct-Dec., 2013). Mobile Comes to India. Communication Today. | 4. Dr. Nayak, S. Chandra.(Oct-Dec., 2013). Social Media: Connecting One and All. Communication Today, 66-74 | 5. Pankaj & Dr., Acharya, kunjan.(Oct-Dec., 2013). Social Networking: Youth in New Millennium. Communication Today, 75-86. | **वेबसाइट्स** | 1. http://www.dronejournalismlab.org/. (10/08/2015, 10:25 AM) | 2. https://en.wikipedia.org/wiki/Drone_journalism. (10/08/2015, 10:30 AM) | 3. https://ijnet.org/en/stories/five-things-you-need-know-about-drone-journalism. (11/08/2015, 12:52 PM)